दिल्ली विकास प्राधिकरण के फ्लैटों का प्राथमिकता के आधार पर आवंटन

2635. **श्री नागमणि** : क्या **शहरी कार्य और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण ने विगत वर्षों में कई व्यक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर फ्लैटों का आवंटन किया है और यदि हां तो 1 जनवरी से 30 जून, 1997 तक की अवधि के दौरान आवंटित मकानों को श्रेणी और स्थानों का वर्षवार ब्यौरा क्या है और ऐसे आवंटनों का आधार क्या है ;

(ख) उन व्यक्तियों के नाम क्या-क्या है जिनके द्वारा ऐसे आवंटन किए गए थे ;

(ग) इस अवधि के दौरान नामंजूर किए गए आवेदनों की संख्या कितनी है और इन आवेदनों को नामंजूर करने के क्या कारण है ; और

(घ) आवंटन के लिए अस्वीकृत आवेदन स्वीकृत आवेदनों से किस प्रकार भिन्न थे ?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री (डा० यू० वेंकटेश्वरलू) (क) : और (ख) जी हां, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा बिना-बारी आवंटन/प्राथमिकता वाले आवंटन भारत सरकार द्वारा बनाये गयी नीति दिशा निर्देशों के आधार पर शहरी कार्य और रोजगार मंत्री तथा दिल्ली के उपराज्यपाल की अधिकार प्राप्त समिति के अनुमोदन से किये जाते है। जनवरी, 1997 से 30 जून, 1997 की अवधि के दौरान अधिकार प्राप्त समिति द्वारा कोई बिना बारी आवंटन नहीं किया गया है। अधिकार प्राप्त समिति के अनुमोदन के पश्चात ही दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा फ्लेटों का बिना बारी आधार पर आवंटन किया जाता है। अधिकार प्राप्त समिति के अनुमोदन के बाद डी.डी.ए. द्वारा फ्लैटों का बिना-बारी आवंटन करना एक सतत प्रक्रिया है। तथापि, 1-1-97 से पूर्व अधिकार प्राप्त समिति द्वारा अनुमोदित 1.1.97 से 30-6-97 की अवधि के दौरान दि० वि० प्राधिकरण द्वारा किये गये आवंटनों के ब्यौरे विवरण में है **(नीचे देखिए)**।

(ग) जनवरी, 1997 से 30 जून, 1997 की अवधि के दौरान कोई आवेदन पत्र निरस्त नहीं किया गया है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

1-1-97 से 30-6-97 तक किये गये फ्लैटों के बिना-बारी क्षेत्रवार और श्रेणीवार आवंटन

	जनता	एल॰आई॰ जी॰	एम॰आई॰ जी॰	विस्तारणीय टाइप "ए"	विस्तारणीय टाइप "बी"	योग
1	2	3	4	5	6	7
जिलता गांव	7	—	—	—	—	7
कोंडली घरोली	49	3	—	4	—	56
पीतमपुरा	2	—	—	—	—	2
रोहिणी	19	23	—	45	—	87
हस्तसाल	—	2	—	—	—	2

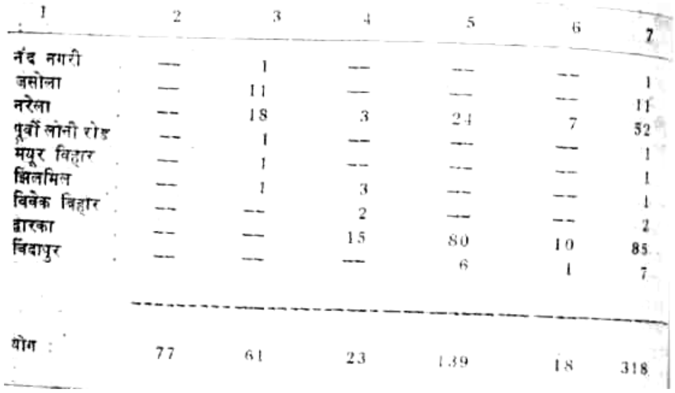

1	2	3	4	5	6	7
नंद नगरी	—	1	—	—	—	1
जसोला	—	11	—	—	—	11
नरेला	—	18	3	24	7	52
पूर्वी लोनी रोड	—	1	—	—	—	1
मयूर विहार	—	1	—	—	—	1
झिलमिल	—	1	3	—	—	1
विवेक विहार	—	—	2	—	—	2
द्वारका	—	—	15	80	10	85
बिंदापुर	—	—	—	6	1	7
योग :	77	61	23	139	18	318

2.00 P.M.

SHORT NOTICE QUESTION No I

THE DEPUTY CHAIRMAN There is a Short Notice Question regarding killing of Indian fishermen. Shri Peter Alphonse.

Killing of Indian Fishermen by Sri Lankan Navy

SHRI S. PETER ALPHONSE: t SHRI V. P DURAISAMY;

Will the PRIME MINISTER b« pleased to state:

" *Xaf* whether Governnaent of India are aware of the merciless killing of Indian fishermen by Sri Lankan Naval People;

(t>) whether Sri Lankan Government have repeatedly violated their assurance given to Government of India 'hat they would not kill Indian Fishermen: and

what steps Government have taken so far to prevent such occui-anccs in future?

THE MINISTER OF STATE t THE MINISTRY OF EXTERN,'[1] AFFAIRS (SHRIMATI KAMI. SINHA): (a) Government « aware of and concerned by the repoir of violence against Indian fishe men in the waters between India IS Sri Lanka. The Government of 9 Lanka have denied the involves^ of their Navy in a large majority t the incidents reported. Of the 1 incidents reported so far in 19? file Sri Lankan Government !*r acknowledged the involvement their forces in only 2 incidents. *T** Sri Lankan Government have veyed that the LTTE is constant looking out for opportunities for ds rupting the good relations that ess between India and Sri Lanka.

<b) and- (c) The problem of M men have been a regular subied ' discussion between the two W meats. both sides agree on ' need to dett] with thesn nroblt in a human and compassion*' manner The Sri Lankan CW* ment have assured us these forces are under instructions 'n c*\ cise maximum restraint in Witt Tnditin fishermen in Sri Li™ waters The Sri Lanka *Gn-ornre"* have however . cmDhn' grave security situation exists in i waters surround!. the

The Question was actually asked on 'he floor of the House bv Shri S peter Alphonse